प्रभात खबर

24 दिसम्बर, 2010

महिला सशक्तीकरण के बिना विकास संभव नहीं : पाणिग्रही

झारसुगुड़ा में राज्य स्तरीय परिवर्तनकारी सम्मेलन संपन्न

कैंडल रैली में भाग लेती महिलाएं व मंचासीन अतिथी

झारसुगुड़ा: झारसुगुड़ा स्थित मन मोहन एम ई स्कूल मैदान पर सामाजिक संस्था वी क्यान द्वारा आयोजित दो दिवसीय परिवर्तनकारी सम्मेलन का आज शुभारंभ हुआ. उद्घाटन समारोह में राज्य महिला आयोग की अध्यक्षा ज्योर्तिमयी पाणीग्राही ने कहा कि परिवार में शांति बनाये रखने से हि घरेलू हिंसा को रोका जा सकता है और बच्चों की परवरिश भी अच्छे ठंग से किया जा सकता है. छात्र-छात्राओं की समस्या का शिक्षक व अभिभावक को मिल कर समाधान करना होगा. बच्चों को मारने पीटने से भय व हिंसा एवं विद्रोह की भावना पैदा हो सकती है.

इसके अलावा स्कूली छात्राओं के साथ यौन उत्पीड़न समस्या को लेकर महिला आयोग ने चिंता जतायी. अध्यक्ष ने समाज के प्रत्येक सदस्य को परिवर्तनकारी बनने का आह्वान किया. उन्होंने कहा कि समाज में महिला व पुरुष के बीच असमानता को दूर कर महिलाओं को जब तक सक्षम नहीं किया जाता तब तक नारी सशक्तिकरण संभव नहीं है. सुन्दरगढ़ सरकारी महाविद्यालय के अध्यापक डा. मानस बेहेरा ने कहा आज के बच्चों का अधिकार की हत्या हो रही है. आयोजित सम्मेलन में राज्य विकलांग आयोग की कस्तूरी महापात्र, नेशनल एलान्स ऑफ वी क्यान संस्था की संयोजक विशाखा भंज ने शिक्षा संस्था मे लिंग भेद को दूर रखने की बात कही. प्रोफेसर दुर्गा प्रसाद नायक ने कहा मानवीयता पर प्रतिष्ठित समाज ही समाजिक ढ़ांचा में परिवर्तन ला सकता है. एडल्ट एजुकेशन संबलपुर विश्वविध्यालय की निर्देशिका कमला विश्वाल ने कहा नारियों में सहनशीलता के गुण है, उसे दुर्बल समझना भूल है. उद्घाटन समावेश का में प्रथम अधिवेशन में प्रोफेसर नारायण पृषेठ ने अपने भाषण मे कहा सिर्फ कानून ही नहीं बल्कि प्रत्येक परिवर्तनकारी संगठन ही समाज में परिवर्तन ला सकते है. डा. निरुपमा बढ़पंडा ने समावेश का अध्यक्षता करते हुए कहा कि पुरुष व महिलाओं में समानता व समान अधिकार होने व समता पूर्ण समाज से हिंसा मुक्त समाज संभव है. अधिवेशन का मानव सेवा संस्था संबलपुर के मुख्य मुक्तीकंठ प्रधान ने मंच संचालन किया इस अवसर मे राज्य समाज मंगल बोर्ड की अध्यक्षता सुलता देव, स्नेह मिश्र ने की. साहाड़ा संस्था की निर्देशिका आनंदनी पाढ़ी ने स्वागत भाषण व शुभश्री राय ने धन्यवाद ज्ञापन किया.

इसके बाद प्रश्न उत्तर कार्यक्रम का आयोजन किया गया . संध्या के समय नारी के प्रति हिंसा के विरोध में एक विशाल मोमबत्ती रैली नारे बाजी करते हुए मन मोहन एम ई स्कूल से निकाली गयी.रात्रि में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया . आयोजित परिवर्तनकारी सम्मेलन में ओड़िशा के सभी 30 जिले के सैकड़ों महिला व पुरुष तथा शिक्षक, शिक्षिका, छात्र-छात्राएं शामिल हुए.